COVID-19: आर्थिक संकट

drishtiias.com/hindi/printpdf/covid-19-economic-crisis

प्रीलिम्स के लिये

आर्थिक मंदी (Recession)

मेन्स के लिये

COVID-19 से उत्पन्न आर्थिक संकट और वर्ष 2008 की आर्थिक मंदी में समानताएँ तथा असमानताएँ

चर्चा में क्यों?

COVID-19 लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियों में अभूतपूर्व गिरावट आई है। इसका अर्थव्यवस्था के **उत्पादक क्षेत्रों पर वर्ष 2008 के आर्थिक संकट (लेहमन संकट)** से भी बुरा प्रभाव देखने को मिलता है।

असमानताएँ:

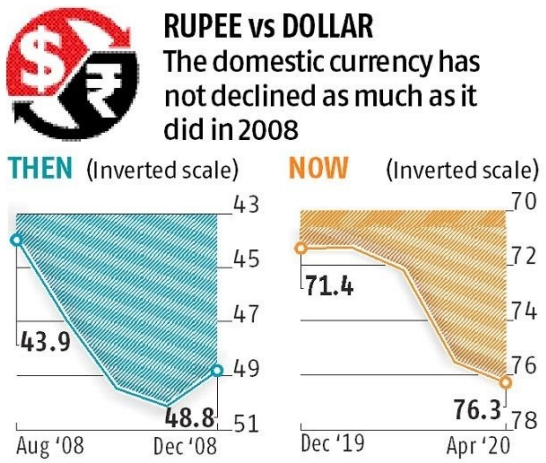

- **वर्ष 2008 का आर्थिक संकट** का प्रभाव **धीमी गति से लंबी अवधि के पश्चात् प्रकट हुए, जबकि वर्तमान संकट के समय 24 मार्च को लॉकडाउन की घोषणा के पश्चात् आर्थिक गतिविधियों में अचानक गिरावट आई है।** बिजली उत्पादन और यात्री वाहनों की बिक्री पर इसका तत्काल प्रभाव पड़ा है।

- **नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर** के आँकड़ों के अनुसार, **24 मार्च के पश्चात् बिजली उत्पादन में 26 प्रतिशत की गिरावट आई है** । इसके विपरीत **सितंबर और अक्तूबर 2008 में आर्थिक संकट के चरम पर होने के बावजूद बिजली उत्पादन स्थिर था,** क्योंकि **आर्थिक गतिविधियों में कोई रुकावट नहीं थी**।
- दिसंबर 2008 की तिमाही में **कारों की बिक्री में गिरावट आई,** लेकिन बाद में इसमें **तीव्र गति से सुधार भी** हो गया। **मार्च 2020 में यात्री कारों की बिक्री वार्षिक आधार पर 51%और मासिक आधार पर 47% कम रही**। यह अब तक की सबसे तीव्र गिरावट है।
- COVID-19 संकट उत्पन्न होने के मूल कारणों में **स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी** कारक हैं। वर्तमान संकट से **पहले चीन तथा बाद में अन्य देशों में उत्पादन की आपूर्ति शृंखला प्रभावित** हुई। इसके विपरीत वर्ष **2008 की मंदी ने पहले अमेरिकी वित्तीय प्रणाली** को प्रभावित किया, जिससे **अमेरिका में आवास की कीमतों और उत्पादन में गिरावट** आई। बाद में इसने **अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग क्षेत्र और वित्तीय बाज़ारों के साथ वैश्विक आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित किया** ।
- वर्तमान लॉकडाउन में **एक स्वैच्छिक और अस्थायी प्रावधान के साथ अर्थव्यवस्था पर रोक** लगाई गई है ताकि **संक्रमण फैलने की दर को कम** किया जा सके। **2008-09 में सभी कार्यों का उद्देश्य वित्त को पुनर्जीवित** करना था ताकि **अर्थव्यवस्था को बढ़ती सुस्ती से बाहर निकाला जा** सके। **इस समय वित्तीय संस्थानों में धन की कमी प्रमुख समस्या थी** ।

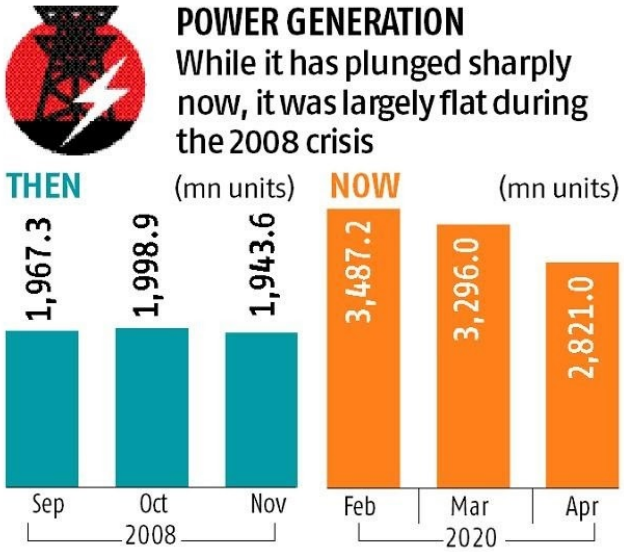

समानताएँ

- दोनों ही संकटों के उद्भव और प्रसार में **अनिश्चितता की विद्यमानता** रही है। वर्तमान संकट में **कोरोना वायरस के प्रसार के बारे में सटीक अनुमान** नहीं लगाया जा सकता। वर्ष 2008 के संकट के समय **बिना नौकरी और संपत्ति वाले अमेरिकियों को ऋण दिया गया तथा उसके बुरे प्रभावों को छुपाए जाने के कारण** अनिश्चितता में वृद्धि हुई। वर्तमान में चीन पर भी **COVID-19 के जोखिमों** को भी छुपाए जाने का आरोप लगाया जा रहा है।
- **प्रमुख देशों के स्टॉक एक्सचेंजों में उनके मूल्य के एक-चौथाई भाग तक शुरुआती गिरावट** दोनों संकटों के बीच समानता है।
- वर्ष 2008 के आर्थिक संकट द्वारा **'ग्लोबल सिस्टमिक' रूप से महत्त्वपूर्ण बैंकों** को तथा **COVID-19 द्वारा वैश्विक आपूर्ति शृंखला को प्रभावित** करने के कारण दोनों समय सार्वजनिक प्राधिकरणों की भूमिका में वापसी हुई, क्योंकि सरकारों द्वारा **मौद्रिक और राजकोषीय सहायता** करनी पड़ी।

मंदी (Recession): इसके निम्नलिखित लक्षण हैं -

- अर्थव्यवस्था में मांग का निम्न स्तर।
- तुलनात्मक रूप से कम मुद्रास्फीति।
- बेरोज़गारी दर में वृद्धि।
- मज़दूरों की जबरन छंटनी।

आगे की राह:

अपने **उद्भव, प्रसार और प्रभावों के मामले में** परस्पर कुछ समानताओं के साथ व्यापक असमानताएँ देखने को मिलती है। **COVID-19 के प्रसार को देखते हुए** इसके **प्रभावों के बारे में अभी से मूल्यांकन करना जल्दबाजी** होगी।

स्रोत: बिज़नेस स्टैंडर्ड